₹ 5/

तुबारि

www.pangi.in
अब अंग्रेजी, हिन्दी त पंगवाड़ी भाषा अन्तर असी।

Issue 73; 02/04/2018

बिषय सूची

नाउ रात्री के कथा	1
गिहुं ता पवेन गुण	2
कुई बचे, कुई पढ़े	2
नाकमियाबी	3
बीरबल साहनी	4
संतोषे धन	4

AIR SHIMLA- 0177 2808152

तुस इ नम्बर बठ फोन कड सकते त अकाशवाणी जे बोक कड सकते। तुस अपु मनपसन घीते शुण सकते। होर तुस अपु समाचार बी दी सकते, से बि पंगेई भाषा अन्तर।

शच

* होरी टाऊ टाऊ ना देण

* बोते ना कि कागे यक भुंतु तेस बी तातुरु टयारु असु जातु महेणू अपु टयारु भुंतु: गेभुरु।

नाउ रात्री के कथा

बड़े पुराड़े टेम सुरथ नोऐं यक राजा थिया। से अपु टज हेर नराज थिया। होर देशे राजे तेस देशे राजे पठ युद्ध कड छड़ा। तेसे सेनापति बी तेसे दुश्मणी जोई मियो थिया। तेसे बेलि से हारी गा त से अपु जान बचाई कड जंगल जे नश गा। त तेठी यक साधु थिया। से तेस सेधु गी गा। तेठी तेस यक होरा मेहणू बी मेया। से दुहो यक होरी जोई मिए। तेन बोलु कि तु इए किस आओ असा। तेन बोलु कि 'में गिहे बाड़ी में जुएली त में गभुरु मोउं जोई दगा किया। तेन्ही अउं गी कियां बहेरी ला।' तेन होर तेस कियां पुछु 'तु किस आओ असा?' तेन बोलु 'माउं जोई बी कुछ तें ई भो असु। में सेनीकी मोउं जोई कुछ तेन्हेरी ई कियो असु। मैं सेनाई में दुशमणी जोई मी कड में राज हराई छउ। में मन हउ बी चेता एंता की अब में से जुएली त गभुरु अब केस हाल अन्तर भोल। में मन ती दुख लगता।' तढ़िया पता से दुहे जेई तेस साधु केई गए त तेसे मथबल पुछुण लगे। तेन साधु तेस जे बोलु की 'तुस त मनखे गभुरु भो। तेन माताई भगवाने अपु माया अन्तर शचाण रखो असा। तुस त मेहणू भो। जेखेई भगवान विष्णु भगवान नागे झुलणे अन्तर उंघो थिया त तेसे कनी के टेते बेलि दुई राकस जमे। तेन्ही दोही राकसी ब्रह्मा देवते मरण जे गे त तेखेई तेन विष्णु भगवाने सतुति की। से त योगनिद्राई वश अन्तर थिया। तेस कियां बाद तेन माताई सतुति की। तिखेई से देवी तेसे टेत अन्तरा बाहर निसी त भगवान विष्णु हेरु कि दुई राकस ब्रह्मा देवते मरण जे गओ असे। तेन तेन्ही जे बोलु 'ब्रह्मादेव में रुप भो। एस कोई ना मार सकता।'

तेन्ही बच 5000 साल तकर युद्ध भुआ। माताई से अपु वश अन्तर करो थिए। त तन्ही राकसी विष्णु भगवान जे बोलु कि 'तु असी कियां वर मग। अस इस युद्ध कियां अस खुश भुए। किस से माताई योग शेक्ति बेलि बेनी गओ असे। पर भगवान विष्णु तेन्ही जे बोलु 'तुस में हत पहाण मरे।' तेन्ही बोलु 'जेठी धरती पेण बच ना भोल, किस कि पुरी धरती पेण बच थी। भगवाने अतु शुणु दे, से दुहो राकस अपु जेंहगी पुट र खे दे, भगवाने अपु चक वई तेंके कियाणी कठी छई। तेस केईयां बाद ब्रह्मा देवते तेन्ही जे हाथ जोणे त माता तेठी छपत भोई गई।

लिखड़ीयार: दीपक कुमार, ग्रां: सैरी भटोस

कुई बचे, कुई पढ़े

कुई वचेए, कुई पढ़ेए। कुई के सुपनी जोई ना खेले। किस कि हें ई बि त केसेरी कुई थी। अगर आज अस ई सोचेल कि अस कुई इस मातोक एण कियां पेहलाई कुई मार छड़ेल त शुई पेशु हें कुल कोउं चलान्ता? किस अस सोब जे ई सोचते कि अस कुई ना जमाणते? त तुसी जुएली कोठिया मेती। न तुसी के जुएली भुण असी न त तुसी के भेण भुंती, किस कि हें सोचे ई भोई गो असी कि कुई ना जमाणते। कुई त गीहे लेच्छमी भो। कुई सिउआ त गिहे दश बि नेई टागणी। तिहारी बच ना हेरते ना कि होरी के जिखेईं कुई एंती त तुं टिरि कियां कि ओणे झाड़ते तिखेईं तुसी कि लगतु सोचे मन अन्तर जगरीयो।

लखड़यार:विनोद कुमार, ग्रां: सैरी भटोस

☺ संता सुपने यक कुई चप्ली बइ माड़ा। दोके रोज संता बैंक न गा, किस कि बैंक दुवार पुठ लिखो थियु, “अस तुं सपने हकीकत अन्तर बदील छते।”

☺ गोड़ा त बलाई दुहे भेण भुओ। अब तुस सोचुण भोल लगो कि कीं? सुआ न सोचे, अउ बोता, गऊ माता भुन्ती त बिल्ली मौसी भुन्ती।

बबिता, चौकी

तुबारि पत्रिके अन्तर छपो सोबी लेख, त कथा अन्तर भुओ विचार सिर्फ लेखके भो। तुबारि पत्रिके एसे कोई जिम्मेबारी नेई। तुबारि पत्रिका सिर्फ भाषा सुहलियत करण जे यक मंच देण लगो असी।

तुबारि टीमे
कनारा सोबी
पांगेई मेहणू
ऊनोणि ता नो रात्री के बधेए।

खास दन

1 अप्रैल ठाग दन
8 अप्रैल धरेमाओठ
14 लिशू धेनीस
15 हिमाचल दिवस

अपु लेख, विचार, कथा, कविता तुबारि अन्तर छपाण जे बुहन दुतो पता पुठ लंघाए।

⇩

हें पता:

तुबारि पत्रिका
हरी जरनल स्टोर,
किलाड़ बजार, त: पांगी घाटि,
जिला: चंबा,
हिमाचल प्रदेश। पिन. 176323

गिहुं त पवेने गुण

गिहुं त पवेनी बेलि कब्जी बमारी ना भुंती। ए पचां बि दोणि ऐंता, जेसे बेलि हें पुरी जन पवितर भुंती। ए हें ऐटोड़ि शाड़ण ना देंता त एसे बेलि केंनसर बि दूर भुंता। एसे बेलि दिले बमारी ना भुंती। एसे बेलि हें एटोड़ि ना शुणति त असी बबासीर ना भुंति। एसे बेलि मोटापा ना एंता। एसे रोटि खाणे बेलि तुं दिल दिमाग स्वस्थ रेहन्ता। पर एचेल त हें पगेई मेहणु त पवेन खां बिसरी गो असे।

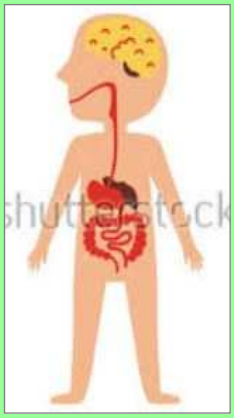

नाऊ: विनोद कुमार, मो.न. 9459828290

नाकमियाबी

षम्मा सिंह

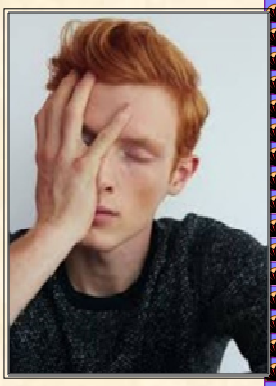

इस फेरी अस यक ई बोके बारे विचार कते, जे सोबी जे त हर उमरे मेह्णु जे असी अउं लगो असा, 'नाकमियाब भुणे' बारे। तुसी कि कदी नाकमियाब भुओ असे ना? नाकमियाब भुण यक बोडी दुखे बोक असी। केहि एस दुख अन्तर नशा करण लगते, केहि गी छड़ कइ दूर घेई बिश्ते। होर केहि केहि त आत्महत्या बि कइ छते। सच्चे बि नाकमियाब भुण एतु खराब असु ना? मेह्णु किस नाकमियाब भुण जे एतु नीच समझते। केनि बोलो असु"नाकमियाबी ईं कमियाब भुणे पेहली छेड़ भो।" जे. के. रौलिंग, जे 'हैरी पोटर' नोबल लिखो असी, से ई बोती कि,"अस अपफ जे सही माइने अन्तर तपल तकर पेछाण ना बटते, जपल तकर अस नाकमियाब न भुन्ते।"

तुस शयद थोमास एडिसने बारे पता ना भोल। पर ए सेईए वज्ञानिक थिआ, जेन पेहली बार विजली बलब बणा। एस बणाण जे तस कोई यक सोउ बार नाकमियाब भुण पड़ो थियु। जपल केनि तेस केईयां पुछु "एतु लिंग नाकमियाब भोई कइ तुस उदास ना भुन्ते ना। तेन बोलु, "ना, मोउं धिक भई बि उदासी ना भुन्ती, किस कि अपल तकर मोउं सौ तारिके पता लग गो असा, विजली बलब कीं कइ ना बणाण।" नाकमियाब भुणे मतलब ई नेई कि तुसी कुछ नेई किओ। बल्कि ई असु कि तुसी किछ नोउ करणे कोशिश किओ असी। याद रखे कि नाकमियाबी सिर्फ तेन्हि जोई भुन्ती, जे किछ करण जे कोशिश कते। अगर कोशिश नेई त नाकमियाब भुणे कोई बझह नेई, होर तरक्की करणे बि कोई मौका नेई।

मोउं लगतु कि नाकमियाबी भुणे दुख ज्यादातर होरे मेह्णु के बेलि भुन्ति। से हें ईया बोउ, यार दोस्त या भाई भेण भोई सकते। तेन्के बोकी के बेलि असी सुआ दुख भुन्ता। पर अस होरी केआं बखरी कइ अगर सिर्फ अपफ जे हेरते त असी दुख नेई बल्कि शान्ति मेती कि "आँ, मेईं किछ नोउ शिचणे या करणे कोशिश किओ थी। पर शयद मेईं कोठि गलती कइ छई।"

यक फेरी यक मेह्णु गलत फैसला नी कइ अपु कंपनी सुआ करोड़ रुपेई बरवाद कइ छड़े। त कंपनी किछ मेह्णु अफसर जे बोलु कि एसे नौकरी केआं किढ़ छड़े, किस कि एन सुआ रुपेई फुक छड़े। पर तेन अफसरे बोलु "ए नौकरी केआं किस कढ़ण, जपल असे ट्रेनिंग जे हें कंपनी अभेईं तकर एतु रुपेई खर्चा कइ छो असे। एस नाकमियाब भुणे तजुर्वे फल होरी कंपानी किस नेन्ती?" त मेह्णुओ! जपल कोई नाकमियाब भुन्ते त ई ना समझे कि पूरी धरती डूब गाइ। पर तेन्हि हिम्मत दिए त तेन्के साथ चले।

अब किस कि पेपरी के टेम असा, तोउं किछ रोज पता रिज्लट बि एई घेन्ता। त मैं माने कि अगर तुस नाकमियाब भुन्ते त उदास ना भो। बल्कि हउ बि कोशिश करे, किस कि कोशिश करणे बाड़ी के कदी हार न भुन्ति। पर लौता ई कि तुं कोशिश सुसुर त सही मन जुए भो।

जुएली जे 'बैगम' किस बोते? बीरु. किस कि ब्याह केईंया पता सोब गम धाणि भोई घेन्ते त जुएली बगैर गमे भोई घेन्ती। तोउं 'बैगम'।

बीरबल साहनी

भारते अबल पेलियो–जियोबॉटतिस्ट डॉ बीरबल साहनी 14 नोमर 1871 अन्तर शहपुर जिला जे अब पाकिस्ताने भेड़ा नाउ यक ग्रां अन्तर जामो थिया। एसे बोउ नाउ प्रो. रुची राम साहनी थिउ। एंके बोउ यक शिक्षाशास्त्री, विद्वान त समाजसेवी थिया जेन्ही मठाड़ीयारी केआं बीरबल विज्ञाने पढेई कना जे बढावा दता।

डॉ. बीरबल साहनी यक भारतीय पुरावनस्पती वैज्ञानिक बणा, जेन्ही भारते उपमहाद्वीपी के जीवी के अवशेषी (कंकाल) के बारे अध्ययन किआ त इस क्षैत्र अन्तर बोड़ी भारी तराकि की। डॉ. बीरबल लखनेउ शहेर अन्तर यक बीरबल साहनी नउए इंस्टिट्यूट ऑफ पैलियोबॉटनी स्थापना की। एंके पुरावनस्पति क्षैत्र अन्तर बोड़ी भारी योगदान रिहा। बीरबल साहनी पुरे दुनीए अन्तर मेशुर असा।

संतोषे धन

पनत श्री राम नाथ अपु जुएली जोई शेहर कियां बहेरी बिशताथ। यक लिंगि जिखेईं से गेभुरु पढ़ां जे गओ थिया, तेसे जुएली तेस कियां यक प्रशन पुछा "कि आज गी खांजे की बणा? गी सद यक मुठिणि चाउ असे?" पनते जुएली कना यक लिंगि हेरु। तेन किछ बोलणु सिवा गी किंया बाहर नाश गा।

ब्यादि जिखेईं से बापस आ त बहेलु टेम मगेंई अंतर उबालो चाउ त तेथ अन्तर किछ पने थिए। ई हेर कइ तेन अपु जुएली जे बोलु, "बारा ई शाग तेईं कोढ़ी बणाओ असु ए त ती अब्बल असु?" "मेईं जिखेईं भ्यागे तु घेणे टेम तुसी जे रोटि के बोक करो थी, तुं नजर ईमली बुटे पठ गओ थी। मेईं तेन्हि ईमली के पन्नी के शाग बणाउ", तेन बोलु। ईमली के पन्नी के अतु सवेदिलु शाग बणतु त असी चंत करणे कोई जेरुरत नेई। अब असी खाणे कनारा कोई चंत नेई।

तुबारि मासिक पत्रिका

♦अस इ उम्मिद करुं लगो असे कि एण बाड़े रोज अन्तर सुआ मेहणु इस कम अन्तर साथोट देन्ते।

♦इस *तुबारि* मासिक पत्रिका समाचार पत्र एक्ट अन्तर रिजिष्ट्रि नेई भो। सिर्फ पांगी घाटि अन्तर पढ़ुं जे त भाषाई सुहलियत करण जे इ पत्रिका शुरु किओ असी।

♦*तुबारि* यक अवाणिज्यिक पत्रिका भो।

♦*तुबारि* पत्रिका कोई मेहणु, जनजाति, त संस्कृति गलती कढ़ेण जे नेई छपाण लगो। अगर कोई ईं सोचता बि त अस जिम्मेबार नेई।

♦छपाणे पेहले सोभ आर्टिकल दुई टाई पांगेई मेहणु हरालो असे। इ त खुली बोक असी कि पेहिल बार पांगवाड़ि लिखणे सुआ मुशकिल भुन्ति त गलती बि भुन्ति। अगर कोई लिखणे गलती असी त असी जे जरूर बोले। त अस तसे होरे संस्करण पुठ ठीक करणे कोशिश कते।

♦आर्टिकल्स ना मिएल, या घाटि मेहणु के साथोट ना मिएल त *तुबारि* पत्रिका कदी बि बंद भुई सकती।

♦कोई चीज छपां असी या नेई छपां जे *तुबारि* संपादकीय टीमे पुरा अधिकार असा।

♦अस किलाड़ केन्द्रीय पुस्तकालय, त बजार हरिराम लाले दुकान अन्तर *तुबारि* ड्रॉप बॉक्स पुठ बि अपुं सझाव ओर अर्टिक्लस रखुं जे सुविधा किओ असी।

♦अस सोबी पांगी मेहणु जे हात जोड़ कइ अनुरोध कते कि, तुस बि कोई अछा अर्टिक्ल, पुराणि या नोई कथा, कहावत, कविता, त नोई घीत (पागवाड़ी अन्तर) लिख कइ छपां जे हैंघे दिए।

तुबारि संपादकीय टीम
9418431531
9418429574
9418329200
9418411199
9418904168
9459828290

जिखेईं तेस राज्ये राजे तेस पनते गरीबी पता लगा त राजे से भिया। पनते ना कई छड़ा। त राजा हेरान भोई गा। से अपफ हंट कइ तेसे मंट अंतर गा, त सुआ टेम तकर इधोरी-उधोरी बोके की। से सोचुण लगो थिया, "की कइ एस जे बोलुण।" तेन बोड़ी भारी हिम्मत कि "की तुसी केसे चीजी जरुरत त नेई?"

पनते हंसी कइ बोलु "ए त मैं जुएली पता असा।" राजे तेसे जुएली धे हेरु त तस कियां पुछु "तुसी केसे चीजी जरुरत त नेई। पनते जुएली बोलु "अभेईं मोउं केसे चिजी जरुरत नेई। किस कि में लाणे झिणे होता नेई चीरिए कि से लेएल नाऊ, ना त पेणि घेड़ोलु भेनिए असु कि तेथ अंतर पुअणि बी ना ऐएल। में हेतेऊए बगें जेखेई तकर असे मोउं केसे चीजी कोई कमी ना भोई सकती? जिखेईं तकर असी तेन्हि सोबी चीजी बठ खुश असे, जे असी केई असी तेस कियां बध हें मन कि खुशी लोती । ए सोब बोके शुण कइ राजा तेसे देवी समाड़ी हत जोड़ बिशा।